नर सेवा! नारायण सेवा!

सेवा कार्यो के लिए समर्पित

सेवा अंक

(हिंदी मासिक समाचार)

Website : www.sewabhartimeerutprant.in

अंक 02 पौष माघ सम्वत 2079 जनवरी 2023

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एवं सेवा भारती मुरादाबाद द्वारा सेवानिवृत्त बंधुओं एवं भगिनी की बैठक

सेवा का उद्देश्य समाज को उन्नत बनाना

फेसबुक: सेवा भारती मेरठ प्रांत ट्विटर : सेवा भारती, मेरठ प्रांत

इंस्टाग्राम : @sevabhartimeerut_ यूट्यूब : सेवा भारती मेरठ प्रांत

आयकर आयुक्त मेरठ द्वारा आयकर अधिनियम धारा 80 जी के अधीन कर मुक्त PAN : AABTS3018H

SEWA BHARTI MEERUT PRANT ACCOUNT DETAILS

"SEWA BHARTI MEERUT", BANK : “PUNJAB NATIONAL BANK”, SB A/C –“1819000100013417”,

BRANCH : ZEEMKHANA, Meerut , IFSC CODE:- “PUNBO181900”

हमारे सेवा कार्यों के आयाम शिक्षा, चिकित्सा, स्वाबलंबन, सामाजिक जागरण

सेवा भारती बबराला द्वारा सिलाई केंद्र 30 बहनों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया और उन्हें प्रमाण पत्र वितरित किया गया

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा भारती गाजियाबाद महानगर मे कंबल वितरण किये गये

सेवा भारती सरधना द्वारा हनुमान चालीसा कार्यक्रम

सेवा भारती बागपत द्वारा गांव गांधी में स्वावलंबनआयाम के अंतर्गत चल रहा सिलाई केंद्र

सेवाभारती नोएडा, अनुभूति संस्कार केंद्र पर स्वेटर का वितरण

सेवा भारती द्वारा संचालित बाल संस्कार केंद्र
जिला बबराला

सेवा भारती माता अमृतमयी कंप्युटर सेवा केन्द्र का उद्घाटन

हरनंदी महानगर की सेवा बस्ती में सेवा केंद्रों पर स्वेटर का वितरण

सेवा भारती शामली द्वारा संचालित सिलाई केंद्र पर महिलाओं व किशोरियों का प्रशिक्षण पूर्ण होने पर प्रमाण पत्र का वितरण

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ बुढ़ाना लक्ष्मी नगर (मुजफ्फरनगर) के द्वारा संचालित बाल संस्कार केंद्र

सेवा भारती मुरादाबाद महानगर द्वारा निशुल्क एक्यूप्रेशर पद्धति का प्रशिक्षण देते हुए

सेवा भारती मात्र मंडल धामपुर नगर एवं दमयंती प्रेरणा संस्थान के द्वारा एक दिवसीय चिकित्सा केंद्र

डॉ रश्मि गुप्ता
प्रान्त मंत्री,
मातृमण्डल सेवा भारती मेरठ प्रांत

किशोरी विकास केन्द्र

किशोरावस्था नारी के जीवन की सर्वाधिक महत्वपूर्ण अवस्था होती हैं। बाल्यवस्था तथा युवावस्था के बीच की अवस्था होने के कारण किशोरावस्था नारी के मानसिक, शारिरिक, भावनात्मक, शिक्षणात्मक, सांस्कृतिक, मनो-वैज्ञानिक रचनात्मक विकास की दृष्टि से अत्यन्त परिवर्तनशील होती है। वर्तमान परिवेश में पाश्चात्य संस्कृति का अत्यधिक प्रभाव व सिनेमा जगत की काल्पनिक संरचनायें किशोरियो के कच्चे मन को आकर्षित कर कर जीवन पर दुष्प्रभाव डालती है। शिक्षा व्यवस्था में कमी यह है कि उसमें भूगोल, गणित, इतिहास आदि अनेक आवश्यक - अनावश्यक विषयों की भरमार रहती है परन्तु जीवन जीने की कला, और सुखी - समुन्नत, प्रखर व प्रामाणिक बनने के लिए जो आवश्यक है वो सिखाया ही नहीं जाता। कच्चे घड़े को सही तरह से पकाये बिना अगर उसमें पानी भर दिया जाये तो वह गल कर बिखर जायेगा। किशोरावस्था भी कच्चे घडे के समान होती है। इसलिए इस समय सही ज्ञान, जानकारी, संस्कार व राष्ट्रवाद की अग्नि से परिपक्व करने से ही जीवन समुचित समपन्नता, संस्कार व सम्मान प्राप्त कर देश, समाज व परिवार के लिए लाभकारी सिद्ध हो सकता है। इसी विषय पर गंभीरता से अध्ययन कर यह पाया गया कि किशोरियो की पौषणिक शैक्षिक व सामाजिक स्थिति संतोषजनक नहीं है। अत ! किशोरियों के समुचित व सर्वांगीण विकास, स्वास्थ्य, स्वच्छता,पोषण, खेल, परिवार कल्याण एवं प्रबन्धन, स्वावलम्बन कौशल प्रबन्धन, व सामाजिक जागरूकता के लिए गली-गली, मुहल्ला - मुहल्ला किशोरी विकास केन्द्र खोलने पड़ेगें।

इसी तत्वाधान में अखिल भारतीय राष्ट्रीय सेवा भारती द्वारा, किशोरी विकास केन्द्र खोलने की आवश्यकता अनुभव की गई और भारत वर्ष के समस्त प्रदेशो में किशोरी विकास केन्द्रों की श्रृंखला स्थापित होती चली गई। इसी क्रम में मेरठ प्राप्त द्वारा भी सेवा भारती किशोरी विकास केन्द्र स्थापित करने की दिशा में नित नये आयाम व कार्यशालाये आयोजित कर नये-नये "किशोरी विकास केन्द्र" खोले जा रहे है। इसके लिए आज के सन्दर्भ में, समय की आवश्यकताओं को पूर्ण कर सकने वाला एक स्वतन्त्र पाठ्यक्रम, सेवा भारती द्वारा दिया दिया गया है। (जिसकी विस्तृत जानकारी अगले लेख में दी जायेंगी) इसका ढांचा खडा करने के लिए जहाँ दूरदर्शी मनीषियों की उदार-सेवा-भावना अपेक्षित है वहाँ उतना ही आवश्यक यह भी है कि नारी समुदाय से कुछ प्रतिभायें उभरे और अपने समुदाय को उत्साहित-संगठित करके प्रगतिशील प्रशिक्षण में भागीदार बनाने के लिए अपने उत्साह का परिचय है।

इसके लिए मातृमंडल अपने क्षेत्रो में ऐसे केन्द्र स्थापित करे जिनके द्वारा स्थानीय किशोरियो को प्रशिक्षित करने का कार्य अनवरत रूप से चलता रहे। नवयुग में उदीयमान किशोरी को अपने चिन्तन व क्रियाकलाप में ऐसा परिवर्तन करना पड़ेगा जिसके सहारे वे न केवल अपनी दक्षता को विकसित कर सके वरन अपने सम्पर्क क्षेत्र में भी एक क्रान्तिकारी परिवर्तन कर सके, तथा स्वयं की निर्णय निर्माण क्षमता के साथ-साथ स्वास्थ्य, शिक्षा, संस्कार व पोषण को भी विकसित कर पाने में समर्थ बन सके और यह क्रान्तिकारी परिवर्तन सेवा भारती द्वारा अनवरत, अनथक अनगनित कार्यकताओं के निरन्तर प्रयासो द्वारा सेवा भारती सफलतापूर्वक "किशोरी विकास केन्द्र" स्थापित कर समाज को फलीभूत कर रही है। किशोरी विकास केंद्र संघ की तरह व्यक्तित्व निर्माण करने वाली शाखा की तरह काम कर रहे है जो व्यक्ति, परिवार, समाज, राष्ट्र के लिए अति आवश्यक है।

शशि गोयल
जिला अध्यक्ष मात् मंडल सेवा भारती

सामाजिक समरसता

सेवा भारती को संस्कार, स्वावलंबन, समृद्धि, समरसता एवं स्वास्थ्य के लाभ को प्राप्त करना निश्चित किया गया है। सेवा भारती उपरोक्त लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमेशा प्रयासरत है, सेवा भारती के सामाजिक समरसता को प्राप्त करने के लिए विभिन्न प्रकार के उपक्रम एवं कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है। समरसता को प्राप्त करना सेवा भारती का एक विशेष लक्ष्य है जो कि समाज के प्रत्येक वर्ग के बीच में जो द्वेष भाव है उसे खत्म करने के उद्देश्य से विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन करती है, जो कि समाज के प्रत्येक वर्ग के द्वेष भाव को खत्म करते हुए प्रेम एवं सामाजिक सद्भावना को बढ़ाता है और सभी वर्गों में आपस में समन्वय का भाव इस प्रकार जागृत किया जाता है। समरसता लाने के लिए उस व्यवहारिक कार्यकलापों को भी किया जाता है इस कड़ी के अंतर्गत विशेष पर्व पर सभी को सम्मिलित करने के उद्देश्य से परिवार मिलन कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

कार्यक्रमों के अंतर्गत किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होता। जाती पाती को दृष्टिपात ना करते हुए सभी को एक श्रेणी में रखकर सभी को एक समान समझकर कार्य करती है। जब सभी हम एक साथ मिलकर बैठते हैं वार्तालाप करते हैं, समस्याओं का समाधान करते हैं, तो हम सबके बीच में समरसता बढ़ती है, जो कि सामाजिक कार्यों के लिए अत्यधिक जरूरी है। प्रेम और सद्भावना से देश की बड़ी-बड़ी समस्याएं हल हो जाती हैं। यही हमारा उद्देश्य है इसलिए आवश्यकता इस बात की है, कि देश और सामाजिक समरसता स्थापित करने के लिए तेजी से कदम बढ़ाने होंगे और जो छुआछूत ऊंची नीच की भ्रांतियां समाज में है उन्हें मिटा कर उस से ऊपर उठकर सामाजिक कार्य करने होंगे। जब देश का प्रत्येक व्यक्ति एक दूसरे व्यक्ति को सम्मानजनक तरीके से अभिवादन करेगा, मिलेगा, पास में बैठेगा वार्तालाप करेगा परिवार मिलन के द्वारा तो निश्चित रूप से समरसता की तरफ हमारे कदम आगे बढ़ेंगे।

सेवा भारतीय समरसता बढ़ाने के लिए एक सशक्त माध्यम है जिसके द्वारा हम समाज में समरसता स्थापित कर सकते हैं, मिलकर साथ बैठकर परिवार मिलन बैठक करके और वह हमेशा समय-समय पर साप्ताहिक दैनिक आयोजन करती है।

सेवा भारती के जो केंद्र, संस्थान अथवा शिक्षा पर सिलाई के लिए शुरू किए गए हैं, उन्हें किसी प्रकार का कोई वर्ग भेद नहीं किया जाता, समरसता का पूरा ध्यान रखा जाता है। मानव को मानव से जोड़ने की कड़ी समरसता कहलाती है एक दूसरे के पर्व पर बधाई देना संदेश देना खुशियों में शामिल होना तथा दुखों को बांटना समरसता श्रेष्ठ उदाहरण है। हम किसी भी वर्ग या जाति के हो सकते हैं, लेकिन फिर भी उस कार्य को हम सभी मिलकर एक साथ करते हैं एक दूसरे का प्रेम पूर्वक सम्मान करते हैं तथा उसे विश्वास दिलाते हैं किसी भी परिस्थिति में उसके सम्मान को ठेस नहीं लगने देंगे।

इस प्रकार हम देखते हैं सेवार्थी अपने आयामों को पूरा करने के लिए समरसता पर विशेष जोर देती है। देश में समरसता बढ़ेगी तो निश्चित रूप से देश की बहुत सारी समस्या अपने आप ही समाप्त हो जाएंगी। इसलिए आवश्यकता इस बात की है देश और समाज को समरसता की तरफ तेजी के साथ कदम बढ़ाकर बढ़ना होगा और से छुआछूत ऊंच-नीच की जॉब रतियां हैं, उन से ऊपर उठकर राष्ट्र और देश के लिए कार्य करना होगा जब देश का प्रत्येक व्यक्ति इस प्रकार के कार्य में संलग्न होगा। एक दूसरे के साथ प्रेम पूर्वक व्यवहार करेगा तो सामाजिक समरसता बढ़ जाएगी।
आइए हम सब मिलकर सामाजिक समरसता की तरफ मिलकर एक कदम बढ़ाएं

अनिता चौधरी
महानगर अध्यक्ष

एक केंद्र की अपनी कहानी

शिक्षा और संस्कार की अनुपम पहचान नोएडा का रानी पद्मिनी बाल संस्कार केंद्र

नर सेवा नारायण सेवा के निश्छल भाव से सेवा भारती निरंतर निःस्वार्थ भाव से वंचित, अभावग्रस्त लोगों के बीच अपने सेवा कार्य के पथ पर अग्रसर है। सेवा भारती के सेवा कार्य का उदेश्य एक तरफ वंचित समाज को स्वलम्बित करना है तो दूसरी तरफ गरीब बस्तियों में पल रहे बच्चों में भारतीय संस्कृति में डूबी और राष्ट्रवाद में लिपटी शिक्षा और संस्कार का प्रसार भी है। भारत की संस्कृति और शिक्षा की चाशनी में गोते लगा कर ऐसे ही राष्ट्रीयता की पहचान बन रहे हैं **नोएडा सेक्टर- ५० के गड़िया लोहार बस्ती के बच्चे। महाराणा प्रताप के अनुयायी और वंशज कहे जाने वाला गड़िया-लोहार समुदाय घुमन्तु जनजातीय समुदाय** की शौर्य की पहचान है।

सेवा भारती मातृमंडल नोएडा जब अपने मातृत्व और सेवा भाव को दिल में लिए सड़क किनारे बसे इस बस्ती में पहुंची तब इन बच्चों का न अपने संस्कारी इतिहास से कोई नाता राह गया था और न ही शिक्षा के साथ कोई संबंध। परिवार अपने पारंपरिक काम काज में रोटी की जद्दोजहद से हर दिन दो चार हो रहा था और बच्चे या तो उनका हाथ बंटा रहे थे या फिर सड़कों पर बचपन की मस्ती में अपने भविष्य को अंधकार में धकेल रहे थे। बस्ती में मातृमण्डल की बहनें पहुंची और पानी पीने के बहाने बात-चीत का सिलसिला शुरू हुआ। बस्ती की सबसे बड़ी बच्ची अंजू जिसका अभी तक शिक्षा से कोई रिश्ता नहीं बन पाया था लेकिन पढ़ने की लालसा खूब थी। वैसे वीरा भी चंचल और नटखट तो थी लेकिन स्कूल जाने और पढ़ने का सपना उसे भी आता था। विवेक हो या वीर, वनकू, मयंक या खुशी या बाकी अन्य बच्चे ये सब पढ़ना चाहते थे।

२०२१ के मार्च का पूर्णिमा का वो दिन था, हवन के साथ पद्मिनी बाल शिक्षा और संस्कार केंद्र की शुरुआत हुई। सेवा भारती मातृमण्डल के स्नेह और प्यार का अञ्चल था, धरती मइया का आशीर्वाद था और नीले अम्बर का छाँव था और फिर चल पड़ी संस्कृति और राष्ट्रीय भाव में डूबी पद्मिनी बाल संस्कार केंद्र की रेलगाड़ी जिसमें एक एक कर बस्ती के सभी बच्चे इसके डब्बे बनते गए। कभी सफाई से अनभिज्ञ बच्चे इस बस्ती के बच्चे आज न सिर्फ अपने संस्कार की पाठशाला को साफ- सुथरा रखने में विश्वास रखते हैं बल्कि अब इनके उपर अनुशासन का वो शुरुर चढ़ा हुआ है कि अगर आप इनकी बस्ती में इनसे मिलने जाते हैं और गलती से भी आप अपने जूते चप्पल या समान व्यवस्थित नहीं रखते हैं तो विवेक या वीर आकार आपको बिना महसूस करवाए आपके जूतों को करीने से सजा कर व्यवस्थित रख देते हैं। नमस्ते और पानी के साथ आपका स्वागत करते हैं और राष्ट्रगीतों के साथ आपको प्रणाम, संस्कार, गीतों के साथ समाज के प्रति अपने कर्तव्योंबोध को दर्शाते हैं तो अपनी तीव्र गति से चल रही पढ़ाई के बारे में आपसे बात-चीत करते हुए आपको समझने की कोशिश करते हैं कि ये इतिहास , ये संस्कार , ये भारत की संस्करती ये हमारी धरोहर ये सब हमारे मन-मस्तिष्क के किसी कोने में दबा था बस हमे तलाश थी कि कोई हमारे इस दबे हुनर को कुरेदे तो सही हम अपनी काबिलियत दोगुना गति से दिखा सकते हैं। हर घर तिरंगा कर्यक्रम के अंतर्गत अपने घरों में लगाया गया तिरंगा शायद आपके घर के चौखट या बरामदे से उतार गया होगा मगर इस बस्ती में वो जस का तस बड़े शान के साथ लहराता दिखेगा।

वो अंजू जो कभी कलम पकड़ना तक नहीं जानती थी आज खुद तो खूब मन लगा कर पढ़ती ही बस्ती के बाकी बच्चों को भी अनुशासत और कक्ष में उपस्थित रखने की जिम्मेदारी निभाती है। अब अंजू सेवा भारती मातृमण्डल पद्मिनी बाल संस्कार केंद्र की संयोजिका की भूमिका भी निभा रही है। वीरा जिसके लिए कभी इस संस्कार केंद्र में बैठना सबसे उबाऊ काम था आज शिक्षिका से नियमित रूप से मन लगा कर खुद तो पढ़ती ही है अपने से छोटे बच्चों को संस्कार के गीत और गिनती सिखाती है अब ये बच्चे स्कूल जाने की तैयारी में है लेकिन अब जब ये स्कूल में दाखिल होंगे तो ये सिर्फ शिक्षित ही नहीं भारत की सनातन संस्कृति से संस्कारित भी होंगे। ये बच्चे अब तैयार हैं समाज का वो उदाहरण बन कर जिनमें सत्य, सनातन का सेवा भाव जागृत है।

सेवा भारती विवेकानंद विद्या मंदिर नंदग्राम द्वारा संचालित

सेवा भारती मुरादाबाद द्वारा संचालित बाल विकास विद्यालय

सेवा भारती द्वारा संचालित किशोरी विकास केंद्र बुलंदशहर एवं हापुड

हम करें राष्ट्र आराधना

हम करें राष्ट्र आराधना तन से मन से धन से
तन मन धन जीवन से हम करें राष्ट्र आराधना।।घु0।।

अन्तर से मुख से कृती से निष्चल हो निर्मल मति से
श्रद्धा से मस्तक नत से हम करें राष्ट्र अभिवादन ।।1।।

अपने हंसते बैषव से अपने खिलते यौवन से
प्रौढता पूर्ण जीवन से हम करें राष्ट्र का अर्चन ।।2।।

अपने अतीत को पढकर अपना इतिहास उलटकर
अपना भविश्य समझकर हम करे राष्ट्र का चिंतन ।।3।।

है याद हमें युग युग की जलती अनेक घटनायें
जो माँ के सेवा पथ पर आई बनकर विपदायें
हमने अभिशोक किया था जननी का अरिषोणित से
हमने श्रृंगार किया था माता का अरिमुंडो से ।।4।।

हमने ही उसे दिया था सांस्कृतिक उच्च सिंहासन
मां जिस पर बैठी सुख से करती थी जग का षासन
अब काल चक्र की गति से वह टूट गया सिंहासन
अपना तन मन धन देकर हम करे पुनः संस्थापन ।।5।।
हम करें राष्ट्र आराधना तन से मन से धन से
तन मन धन जीवन से हम करें राष्ट्र आराधना

स्वत्वाधिकारी सेवा भारती मेरठ प्रांत द्वारा प्रकाशित मासिक समाचार दर्शन, प्रचार विषय पालक आलोक अग्रवाल
7017518707 द्वारा मुद्रित सेवा भारती सेवा धाम अपेक्स सिटी बागपत रोड मेरठ द्वारा प्रकाशित